N–325

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र – जनवरी–दिसंबर 2026

एम.ए. (हिन्दी साहित्य) अंतिम

विषय . नाटक एवं काव्येतर गद्य **प्रश्नपत्रः प्रथम**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः. परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य.1

खण्ड अ . अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1.2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब . अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य.2

खण्ड स . लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य.3

खण्ड द . अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य.4

खण्ड ई . दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600.750 या 4.5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

खण्ड—अ

1. 'भारत दुर्दशा' नाटक किसने लिखा है ?
2. 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक के नाटककार का नाम लिखिए।
3. 'आवारा मसीहा' जीवनी है अथवा आत्मकथा ?
4. 'चन्द्रगुप्त' के गुरु का नाम लिखिए।
5. 'मल्लिका' किस नाटक की केन्द्रीय पात्र है ?
6. 'मेरे राम का मुकुट भीग रहा है' निबन्ध किसने लिखा है ?
7. 'गीति नाटक' की परिभाषा दीजिए।
8. बालकृष्ण भट्ट किस युग के निबन्धकार हैं ?

खण्ड–ब

9. आत्मकथा और जीवनी में अन्तर स्पष्ट कीजिए।
10. 'चन्द्रगुप्त' नाटक की ऐतिहासिक घटनाएँ बताइए।
11. 'अंधायुग' की पात्र गांधारी का परिचय दीजिए।
12. 'रेखाचित्र' विधा की विशेषताएँ लिखिए।
13. 'चीड़ों पर चाँदनी' यात्रा वृत्तान्त का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
14. साहित्यकार प्रेमचन्द के साहित्य को अज्ञेय जी ने किन विशेषताओं के साथ व्यक्त किया है ?

सत्रीय कार्य– 2

खण्ड–स

15. नाटक की परिभाषा देते हुए नाटक के तत्वों का उल्लेख कीजिए।
16. महादेवी वर्मा के रेखाचित्र 'भाभी' का सारांश लिखिए।
17. 'आधे–अधूरे' नाटक के पात्रों का परिचय दीजिए।
18. हिन्दी निबन्ध की विकासयात्रा पर प्रकाश डालिए।

सत्रीय कार्य– 3

खण्ड–द

19. 'आवारा मसीहा' का सारांश लिखिए।
20. जयशंकर प्रसाद के नाटकों की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।
21. 'अंधायुग' नाटक की कथावस्तु लिखिए।
22. हिन्दी में यात्रा वृत्तान्त के विकास पर प्रकाश डालिए।

सत्रीय कार्य– 4

खण्ड–इ

23. 'चन्द्रगुप्त' नाटक में इतिहास और कल्पना का सुन्दर समन्वय है। इस कथन के आधार पर चन्द्रगुप्त नाटक की ऐतिहासिक और काल्पनिक घटनाओं पर प्रकाश डालिए।
24. काव्य में लोकमंगल की साधनावस्था का मूल प्रतिपाद्य समझाइए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 31 अगस्त 2026 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जनवरी–दिसंबर 2026 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जनवरी–दिसंबर 2026 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

N–326

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र – जनवरी–दिसंबर 2026

एम.ए. (हिन्दी साहित्य) अंतिम

विषय . कथा साहित्य **प्रश्नपत्रः द्वितीय**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः. परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य.1

खण्ड अ . अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1.2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब . अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य.2

खण्ड स . लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य.3

खण्ड द . अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य.4

खण्ड ई . दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600.750 या 4.5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

खण्ड—अ

1. किशोरीलाल वर्मा कृत 'कुसुम कुमारी' किस प्रकार का उपन्यास है ?
2. जैनेन्द्र का कौन–सा उपन्यास मनोवैज्ञानिक उपन्यासों का सूत्रपात करता है ?
3. अज्ञेयजी को डी. लिट. की उपाधि किस विश्वविद्यालय से प्राप्त हुई ?
4. 'शेखर : एक जीवनी' के द्वितीय भाग का प्रकाशन वर्ष लिखिए।
5. 'जिन्दगी नामा' के लेखक का नाम लिखिए।
6. कृष्णा सोबती ने 'यारों के यार' में कैसे जीवन का चित्रण किया है ?
7. प्रेमचंद के प्रथम उपन्यास का नाम लिखिए।
8. प्रेमचंद की अन्तिम कहानी का नाम लिखिए।

खण्ड–ब

9. मानवीय भावों के आधार पर उपन्यास के प्रकारों के नाम लिखिए।
10. प्रवाहवादी उपन्यास को समझाइए।
11. अज्ञेय की पाँच कहानी संकलनों के नाम लिखिए।
12. 'शेखर : एक जीवनी' की शारदा का चरित्रांकन कीजिए।
13. कृष्णा सोबती को व्यास पुरस्कार किस रचना पर और कब प्राप्त हुआ ?
14. कहानी के शीर्षक की सार्थकता को लिखिए।

सत्रीय कार्य– 2

खण्ड–स

15. उपन्यास के तत्वों की सोदाहरण विवेचना कीजिए।
16. 'जिन्दगी नामा' उपन्यास की विशेषताओं को लिखिए।
17. 'मधुआ' कहानी के आधार पर शराबी का चरित्र–चित्रण कीजिए।
18. ऊषा प्रियंवदा की कहानी कला पर एक निबन्ध लिखिए।

सत्रीय कार्य– 3

खण्ड–द

19. हिन्दी के यथार्थवादी उपन्यासों की विकासयात्रा को समझाइए।
20. 'शेखर : एक जीवनी' के मूल प्रतिपाद्य को प्रकाशित कीजिए।
21. 'समय–सरगम' उपन्यास के शिल्प–विधान की विवेचना कीजिए।
22. 'सिक्का बदल गया' कहानी की मूल–संवेदना को प्रकाशित कीजिए।

सत्रीय कार्य– 4

खण्ड–इ

23. प्रेमचंद के उपन्यासों में अभिव्यक्त सामाजिक चेतना को समझाइए।
24. "यशपाल ने 'महाराजा का इलाज' कहानी में सामंती जीवन पर हास्य व्यंग्य किया है।" इसे स्पष्ट कीजिए

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 31 अगस्त 2026 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जनवरी–दिसंबर 2026 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जनवरी–दिसंबर 2026 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

N–327

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र – जनवरी–दिसंबर 2026

एम.ए. (हिन्दी साहित्य) अंतिम

विषय . भाषा विज्ञान **प्रश्नपत्रः तृतीय**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः. परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य.1

खण्ड अ . अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1.2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब . अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य.2

खण्ड स . लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य.3

खण्ड द . अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य.4

खण्ड ई . दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600.750 या 4.5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

खण्ड—अ

1. भाव या विचार की अभिव्यक्ति तक का सर्वोत्तम माध्यम क्या है ?
2. "भाषा वह साधन है, जिसके द्वारा मनुष्य अपने विचार दूसरों पर भली–भाँति प्रकट कर सकता है।" यह कथन किसके द्वारा कहा गया है ?
3. प्रयत्न के आधार पर व्यंजन ध्वनियों को कितने भागों में विभक्त किया गया है ?
4. डॉ. भोलानाथ तिवारी ने स्थान के आधार पर व्यंजनों को कितने भागों में विभाजित किया है ?
5. वाक्य–भेद के कितने आधार हैं ?
6. अर्थ परिवर्तन की कितनी दिशाएँ मानी जाती हैं ?
7. हिन्दी भाषा की लिपि का नाम क्या है ?
8. शब्दों की तीन शक्तियाँ कौन–कौन सी हैं ? नाम लिखिए।

खण्ड–ब

9. भाषा विज्ञान के अध्ययन से क्या लाभ हैं ?
10. वाक्य के तत्व कितने हैं ? लिखिए।
11. बोली से आप क्या समझते हैं ? लिखिए।
12. पाली किस धर्म की भाषा है ? संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
13. अपभ्रंश भाषा के सम्बन्ध में टिप्पणी लिखिए।
14. पूर्वी हिन्दी के अन्तर्गत कितनी बोलियाँ हैं ? उनमें से छत्तीसगढ़ी पर टिप्पणी लिखिए।

सत्रीय कार्य– 2

खण्ड–स

15. ध्वनि के भेद को सविस्तार लिखिए।
16. रूपिम की अवधारणा क्या है ? लिखिए।
17. वाक्य परिवर्तन के क्या कारण हैं ? लिखिए।
18. प्राचीन आर्य भाषाओं के उदय पर प्रकाश डालिए।

सत्रीय कार्य– 3

खण्ड–द

19. देवनागरी लिपि का वर्णन कीजिए।
20. स्वातंत्र्योत्तर भारत में भाषा की संकल्पना पर विवेचना कीजिए।
21. मनोभाषा विज्ञान का तात्पर्य एवं उसके क्षेत्र का वर्णन कीजिए।
22. शैली की विविध परिभाषाओं का वर्णन कीजिए।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड–इ

23. खड़ी बोली हिन्दी के विभिन्न रूपों की विवेचना कीजिए।
24. सम्पर्क भाषा का क्या प्रयोजन है ? सम्पर्क भाषा के रूप में हिन्दी की क्या भूमिका है ? स्पष्ट कीजिए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 31 अगस्त 2026 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जनवरी–दिसंबर 2026 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जनवरी–दिसंबर 2026 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

N–328

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र – जनवरी–दिसंबर 2026

एम.ए. (हिन्दी साहित्य) अंतिम

विषय . आधुनिक हिन्दी कविता और गीत परम्परा **प्रश्नपत्रः चतुर्थ**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः. परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य.1

खण्ड अ . अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1.2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब . अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य.2

खण्ड स . लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य.3

खण्ड द . अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य.4

खण्ड ई . दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600.750 या 4.5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

खण्ड—अ

1. प्रथम 'तारसप्तक' का प्रकाशन वर्ष लिखिए।
2. 'कामायनी : एक पुनर्विचार' किसकी कृति है ?
3. 'छाया मत छूना मन' किस कवि के गीतों का संग्रह है ?
4. 'गर्म हवाएँ' किसकी कृति है ?
5. धर्मवीर भारत का जन्म कब और कहाँ हुआ था ?
6. 'एक पतंग अनंत में' किसकी कृति है ?
7. 'अविराम चल मधुवन्ती' किस गीतकार की कृति है ?
8. 'खुशबू के शिलालेख' किस कवि की डुति है ?

खण्ड–ब

9. शमशेहर बहादुर ञसह की कविता की मूल–संवेदना को लिखिए।
10. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना की कविताओं में व्यक्त वैचारिक संवेदना को लिखिए।
11. धर्मवीर भारती की कविताओं में अभिव्यक्त प्रेमानुभूति को लिखिए।
12. भवानीप्रसाद मिश्र की कविताओं में अभिव्यक्त प्रगतिशील चेतना को लिखिए।
13. नयी कविता के प्रमुख कवियों के नाम लिखिए।
14. हिन्दी नवगीत की सामान्य प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।

सत्रीय कार्य– 2

खण्ड–स

15. नयी कविता की शिल्पगत नवीनता और मौलिकता पर प्रकाश डालिए।
16. नंदकिशोर आचार्य के व्यक्तित्व–ड्डतित्व पर प्रकाश डालिए।
17. हिन्दी गीति कविता के क्षेत्र में रमानाथ अवस्थी का स्थान निर्धारित कीजिए।
18. 'कुआनो नदी' कविता के माध्यम से सर्वेश्वर दयाल सक्सेना की काव्य भाषा की विशिष्टता को रेखांकित कीजिए।

सत्रीय कार्य– 3

खण्ड–द

19. 'नाश और निर्माण' कविता संग्रह के माध्यम से गिरिजा कुमार माथुर की काव्यभाषा की विशिष्टता को रेखांकित कीजिए।
20. अशोक वाजपेयी की काव्य–संवेदना पर प्रकाश डालिए।
21. मुक्तिबोध की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।
22. हिन्दी गीतिकाव्य परम्परा में गोपालदास 'नीरज' का योगदान स्पष्ट कीजिए।

सत्रीय कार्य– 4

खण्ड–इ

23. नयी कविता की शिल्पगत नवीनता और मौलिकता पर प्रकाश डालिए।
24. गीतकार रमानाथ अवस्थी की संवेदना को स्पष्ट कीजिए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 31 अगस्त 2026 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जनवरी–दिसंबर 2026 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जनवरी–दिसंबर 2026 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**